भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या *419

दिनांक 21 अगस्त, 2025 को उत्तरार्थ

.....

नागपुर में भूजल स्तर में गिरावट

*419. श्री श्यामकुमार दौलत बर्वेः

क्या जल शक्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या नागपुर के काटोल क्षेत्र में भूजल स्तर 800 से 850 फीट तक गिर गया है और इसके 1200 फीट तक गिरने की चेतावनी जारी की जा रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ख) सरकार द्वारा भूजल स्तर को स्थिर करने के लिए कौन-से तत्काल और दीर्घकालिक उपाय किए गए हैं;

(ग) क्या नागपुर और अमरावती के प्रमुख बांधों की जल भंडारण क्षमता वर्ष 2023 और वर्ष 2024 के दौरान औसत से काफी कम रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) उक्त बांधों के पुनर्भरण और मरम्मत के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

जल शक्ति मंत्री

(श्री सी आर पाटील)

(क) से (घ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

‘नागपुर में भूजल स्तर में गिरावट’ के संबंध में दिनांक 21.08.2025 को लोक सभा में उत्तर के लिए देय तारांकित प्रश्न सं. *419 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क) और (ख): केंद्रीय भूमि जल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) द्वारा पूरे देश में प्रति वर्ष चार बार भूजल स्तर की निगरानी की जाती है, जिसमें महाराष्ट्र के नागपुर जिले का काटोल ब्लॉक को भी शामिल किया जाता है। नागपुर के काटोल ब्लॉक में मानसून के पश्चात (नवंबर), 2024 में किए गए मापन के अनुसार, निगरानी किए गए लगभग 87.5% कुओं का भूजल स्तर 0-10 एमबीजीएल (भूतल से मीटर नीचे) के स्तर पर था।

इसके अतिरिक्त, भूजल स्तर में दीर्घकालिक अस्थिरता का आकलन करने के लिए, नवंबर 2024 के जल स्तर के आंकड़ों की तुलना दशकीय औसत आंकड़ों, अर्थात् वर्ष 2014 से वर्ष 2023 तक नवंबर माह के भूजल स्तर के औसत के साथ की गई है। इस प्रकार के विश्लेषण से पता चलता है कि काटोल ब्लॉक में लगभग 57.1% निगरानी वाले कुओं ने दशकीय औसत की तुलना में नवंबर 2024 के दौरान भूजल स्तर में वृद्धि दर्ज की है।

जल के राज्य का एक विषय होने के कारण, भूजल संसाधनों का सतत विकास और प्रबंधन मुख्य रूप से राज्य सरकारों का उत्तरदायित्व है। तथापि, केंद्र सरकार विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं के माध्यम से तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करके राज्य सरकारों के प्रयासों में सहायता करती है। इस दिशा में, नागपुर, महाराष्ट्र सहित देश भर में भूजल संसाधनों के संरक्षण और सतत विकास के लिए जल शक्ति मंत्रालय और अन्य केंद्रीय मंत्रालयों द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण कदम निम्नलिखित हैं:-

i. सरकार वर्ष 2019 से देश में जल शक्ति अभियान (जेएसए) कार्यान्वित कर रही है जो वर्षा के जल संचयन और जल संरक्षण गतिविधियों के लिए एक मिशन मोड और समयबद्ध कार्यक्रम है। इस समय, जेएसए 2025 को नागपुर, महाराष्ट्र सहित देश भर में कार्यान्वित किया जा रहा है, जिसमें अति-दोहित और संकटग्रस्त क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया है। जेएसए एक अम्ब्रैला अभियान है जिसके तहत विभिन्न केंद्रीय और राज्य योजनाओं के साथ मिलकर भूजल पुनर्भरण और संरक्षण संबंधी विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं। जेएसए डैशबोर्ड के अनुसार, पिछले 4 वर्षों में, नागपुर जिले में समन्वय के माध्यम से लगभग 4,635 जल संचयन और पुनर्भरण कार्य पूरे किए गए हैं। जल शक्ति अभियान की गति को आगे बढ़ाने के लिए, जल संचय जन भागीदारी (जेएसजेबी) विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट जल संबंधी चुनौतियों के अनुरूप लागत प्रभावी, स्थानीय समाधान विकसित करने के उद्देश्य से एक समुदाय संचालित अभियान शुरू किया गया है।

ii. इसके अलावा, केंद्रीय भूमि जल बोर्ड द्वारा राष्ट्रीय जलभृत मानचित्रण (एनएक्यूयूआईएम) परियोजना पूरी कर ली गई है, जिसके अंतर्गत नागपुर जिले, महाराष्ट्र के 9892 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र सहित देश भर में लगभग 25 लाख वर्ग किमी मानचित्रण योग्य क्षेत्र शामिल है। इसके अतिरिक्त, ज़िले-वार जलभृत मानचित्र और प्रबंधन योजनाएँ तैयार की गई हैं और उन्हें आगे उपयुक्त कदम उठाने के लिए संबंधित राज्य एजेंसियों के साथ साझा किया गया है।

iii. भूजल के कृत्रिम पुनर्भरण हेतु मास्टर प्लान- 2020, केंद्रीय भूजल बोर्ड द्वारा तैयार किया गया है और इसे राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के साथ साझा किया गया है और इसके अंतर्गत देश में एक अनुमानित लागत के साथ लगभग 1.42 करोड़ वर्षा जल संचयन और कृत्रिम पुनर्भरण संरचनाओं के निर्माण हेतु एक व्यापक रूपरेखा मुहैया कराई गई है, जिससे लगभग 185 बिलियन क्यूबिक मीटर (बीसीएम) जल का उपयोग किया जा सके। मास्टर प्लान में महाराष्ट्र के नागपुर जिले के लिए लगभग 3.51 लाख वर्षा जल संचयन और पुनर्भरण संरचनाओं की सिफारिश की गई है।

iv. भारत सरकार महाराष्ट्र सहित 7 राज्यों के जल की कमी वाले 80 जिलों में अटल भूजल योजना लागू कर रही है, जिसका मुख्य विषय समुदाय संचालित भूजल संसाधनों का सतत प्रबंधन और मांग का प्रबंधन करना है।

v. भारत सरकार द्वारा मिशन अमृत सरोवर शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य देश के प्रत्येक जिले में कम से कम 75 जल निकायों का विकास और पुनरुद्धार करना था। इसके परिणामस्वरूप देश में लगभग 69,000 अमृत सरोवरों का निर्माण/पुनरुद्धार किया गया है, जिनमें से 78 नागपुर जिले में हैं।

vi. जल शक्ति मंत्रालय भूजल पर निर्भरता कम करने के लिए सतही और भूजल के संयुक्त उपयोग को बढ़ावा देता है। पीएमकेएसवाई-एआईबीपी के तहत, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के सहयोग से सतही जल आधारित प्रमुख और मध्यम सिंचाई परियोजनाओं को कार्यान्वित किया जा रहा है। महाराष्ट्र में ऐसी 26 परियोजनाएँ शुरू की गई हैं। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2018 से, महाराष्ट्र के लिए एक विशेष पैकेज तैयार किया गया है जो विशेष रूप से विदर्भ और मराठवाड़ा में सूखाप्रवण क्षेत्रों में 83 सतही लघु सिंचाई परियोजनाओं और 8 प्रमुख/मध्यम परियोजनाओं को संपूरित करता है।

vii. जल शक्ति मंत्रालय ने सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को एक आदर्श विधेयक परिचालित किया है ताकि वे भूजल विकास के नियमन हेतु उपयुक्त कानून बना सकें, इसमें वर्षा जल संचयन का प्रावधान भी शामिल है। अब तक, महाराष्ट्र सहित 21 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों ने भूजल कानून को अपनाया और लागू किया है।

(ग) और (घ): बांधों की सुरक्षा, संचालन, रखरखाव और मरम्मत सुनिश्चित करने का प्राथमिक उत्तरदायित्व संबंधित बांध मालिकों का है, जो मुख्य रूप से राज्य सरकारें होती हैं। प्राप्त सूचना के अनुसार, महाराष्ट्र के नागपुर और अमरावती जिलों में स्थित प्रमुख बांधों की वास्तविक जल भंडारण क्षमता, जैसा कि मानसून सीजन के अंत में (अर्थात अक्टूबर के अंत में) वर्ष 2023 और 2024 के लिए दर्ज किया गया है, अनुलग्नक में दी गई है। परियोजना प्राधिकरण के अनुसार, दोनों वर्षों के लिए भंडारण क्षमता का आकलन सामान्य स्तर के रूप में किया गया है।

इसके अलावा, बांध सुरक्षा और कार्य-निष्पादन को बढ़ाने हेतु सहायता प्रदान करने के लिए, भारत सरकार बाह्य रूप से वित्त पोषित बांध पुनर्वास और सुधार परियोजना (डीआरआईपी) चरण-II और III लागू कर रही है। यह पहल महाराष्ट्र सहित 19 राज्यों के चुनिंदा बांधों को कवर करती है। इस योजना के अंतर्गत, महाराष्ट्र को 167 बांधों के पुनर्वास कार्य आवंटित किए गए हैं।

नागपुर जिले में स्थित नांद और वडगांव बांध (लोअर वेन्ना परियोजना का भाग) और अमरावती जिले में स्थित सापन और ऊपरी वर्धा बांधों को डीआरआईपी के अंतर्गत व्यापक पुनर्वास के लिए शामिल किया गया है।

*****

अनुलग्नक

'नागपुर में भूजल स्तर में गिरावट' के संबंध में दिनांक 21.08.2025 को लोक सभा में उत्तर के लिए देय तारांकित प्रश्न सं. *419 के भाग (ग) और (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

| दिनांक 31.10.2023 तक नागपुर जिले के प्रमुख बांधों की जल भंडारण क्षमता | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| क्र.सं. | परियोजना | जिला | नदी | परियोजना द्वारा डिज़ाइन की गई भंडारण क्षमता (एमसीएम) | अक्टूबर 2023 के अंत तक भंडारण क्षमता (एमसीएम) | प्रतिशत (6/5)x100 |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 8 |
| 1 | तोतलाडोह | नागपुर | पेंच | 1016.88 | 938.36 | 92.28 |
| 2 | कामठी खैरी | नागपुर | पेंच | 141.98 | 54.57 | 38.43 |
| 3 | खिडसी | नागपुर | सुर | 103.00 | 73.84 | 71.69 |
| 4 | नंद (निचला वेन्ना) | नागपुर | नंद | 53.18 | 45.91 | 86.33 |
| 5 | वडगांव (निचला वेन्ना) | नागपुर | वेन्ना | 134.89 | 129.93 | 96.32 |
| | कुल | नागपुर | | 1449.93 | 1242.61 | 85.70 |
| | | | | | | |
| दिनांक 31.10.2024 तक नागपुर जिले के प्रमुख बांधों की जल भंडारण क्षमता | | | | | | |
| | | | | | | |
| 1 | तोतलाडोह | नागपुर | पेंच | 1016.88 | 1016.88 | 100.00 |
| 2 | कामठी खैरी | नागपुर | पेंच | 141.98 | 77.81 | 54.80 |
| 3 | खिडसी | नागपुर | सुर | 103.00 | 60.23 | 58.48 |
| 4 | नंद | नागपुर | नंद | 53.18 | 53.18 | 100.00 |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | (निचला वेन्ना) | | | | | |
| 5 | वडगांव (निचला वेन्ना) | नागपुर | वेन्ना | 134.89 | 133.57 | 99.02 |
| | कुल | नागपुर | | 1449.93 | 1341.67 | 92.53 |
| | | | | | | |
| दिनांक 31.10.2023 तक अमरावती जिले में प्रमुख बांधों की जल भंडारण क्षमता | | | | | | |
| | | | | | | |
| 1 | ऊपरी वर्धा | अमरावती | पेंच | 564.05 | 549.33 | 97.39 |
| 2 | सपन | अमरावती | मोरापथा | 38.6 | 36.39 | 94.28 |
| दिनांक 31.10.2024 तक अमरावती जिले में प्रमुख बांधों की जल भंडारण क्षमता | | | | | | |
| 1 | ऊपरी वर्धा | अमरावती | पेंच | 564.05 | 564.05 | 100.00 |
| 2 | सपन | अमरावती | मोरापथा | 38.6 | 38.6 | 100.00 |

*****